Maa Kalratri Aarti

कालरात्रि जय जय महाकाली |
काल के मुंह से बचाने वाली ||

दुष्ट संहारिणी नाम तुम्हारा |
महा चंडी तेरा अवतारा ||

पृथ्वी और आकाश पर सारा |
महाकाली है तेरा पसारा ||

खंडा खप्पर रखने वाली |
दुष्टों का लहू चखने वाली ||

कलकत्ता स्थान तुम्हारा |
सब जगह देखूं तेरा नजारा ||

सभी देवता सब नर नारी |
गावे स्तुति सभी तुम्हारी ||

रक्तदंता और अन्नपूर्णा |
कृपा करे तो कोई भी दुःख ना ||

ना कोई चिंता रहे ना बीमारी |
ना कोई गम ना संकट भारी ||

उस पर कभी कष्ट ना आवे |
महाकाली मां जिसे बचावे ||

तू भी 'भक्त' प्रेम से कह |
कालरात्रि मां तेरी जय ||

InstaAstro